

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, खोरी मुहुआ (गिरिडीह)

वाद सं० 37/2017
गुड्डु कुमार - बनाम - कुलन राम
द्वारा 144 दे० प्र० सं०

आदेश फलक

08.7.17

स्थानीय पुलिस देवरी थाना से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर उभय पक्षों के विरुद्ध नोटिस निर्गत कर सुनवाची में बहस सुनकर विवाहित भूमि मौजा-रानीडीह खाल न० 04 प्लॉट न० 139 रकबा 27 डी० चौ० - 30 - गोविन्द साव दे० - छोटन महले, पु० - टैंड, प० - वासुकी राम । उक्त भूमि को लेकर दोनों पक्षों के बीच शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु दे० प्र० सं० की धारा 144 के अन्तर्गत कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए उनसे कारण-पृच्छ की मांग की गयी ।

प्रथम पक्ष के ओर से कारण-पृच्छ कारिवाल किया गया । जिसमें उनका कथन लिखित बहस में अंकित है । प्रथम पक्ष का कहना है कि वंशावली के अनुसार दोनों पक्ष आपस में जोलिहा हिस्सेदार है । दोनों पक्ष धरैया बंटवार के अनुसार अपने-अपने हिस्से पर जोत आकाद करते चले आ रहे हैं । लेकिन मेरे हिस्से के जमीन को द्वितीय पक्ष के द्वारा अपने पत्नी के नाम से विक्रय कर दिया गया, जो गलत है । रानीडीह मौजा के अन्तर्गत खाल न० 04 में जो भी जमीन है उसमें प्रथम पक्ष एवं द्वितीय पक्ष आधे-आधे का हिस्सेदार है ।

अभिलेख का अवलोकन किया । द्वितीय पक्ष को नोटिस तामिला प्राप्त होने के बाद भी वे न्यायालय के समक्ष अनुपस्थित रहे हैं ।

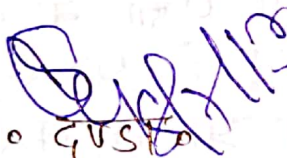
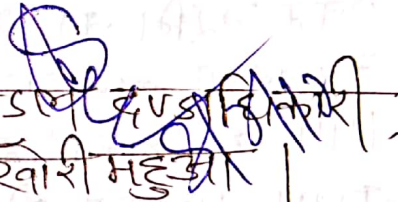
P.T.O.

पान
अपक्ष

इसलिए उन्हें प्रवृत्त वाद में भूमि को लेकर कुछ नहीं कहना है। इस वाद में उन्हें कोई अभि-
रुचि नहीं रही। विवाद-जमीन हिस्सेदारी वंशवारा
से संबंधित है। उक्त संदर्भ में याना प्रतिवेदन
में प्रतिवेदित है कि मामला सक्षम न्यायालय में
पाटिशन सूट चल रहा है।

लगायी गयी निषेधाज्ञा की अवधि समाप्त
हो चुकी है। इसलिए इस वाद की कार्यवाही
समाप्त की जाती है।

लैरवापिन

अनु. दांडा  अनुमंडल दण्डाधिकारी
शेरी मुहुरा 

[Faint, mostly illegible text in the lower half of the page, possibly bleed-through or very light handwriting.]